अब खेतों में एआई से जुड़ी मशीन किसानों को बताएंगी कि फसलों में किस समय और किस मौसम में दवाई, खाद व पानी दिया जाए

» पानीपत के बापौली के गांव रसलापुर में स्थापित हुआ देश का पहला और एशिया का तीसरा बायर फॉरवर्ड फार्म।

» फार्म में स्थापित वर्कशॉप में किसानों को मुफ्त में बताएं जाएंगे भविष्य की खेती में आधुनिक तकनीक अपनाने के नए तरीके।

भास्कर न्यूज, पानीपत | अब खेतों में भी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से जुड़ी मशीनें किसानों को बताएंगी कि मौसम और जरूरत के हिसाब से फसलों में कब और किस समय में पानी दिया जाए, दवाई व खाद डाली जाएं। ये मशीनें किसानों को मौसम के बारे में भी सचेत करेंगी और फसली बीमारियों व उनसे बचाव के तरीके भी बताएंगी।

जर्मनी की बायर कंपनी ने पानीपत के बापौली में गांव रसलापुर स्थित तरूण ऐग्रीकल्चर फार्म में देश का पहला और एशिया का तीसरा बायर फॉरवर्ड फार्म स्थापित हुआ है। इसका शुभारंभ रविवार को बायर साउथ एशिया के प्रेसिडेंट साइमन वीबुश व बायर क्रॉप साइंस डिविजन की क्षेत्रीय अध्यक्ष (एशिया) मालू नाखरेनर ने किया। फार्म में स्थापित वर्कशाप में किसानों को भविष्य की खेती में आधुनिक तकनीक अपनाने के नए तरीके मुफ्त में बताए जाएंगे। यह फार्म पानीपत समेत पूरे देश की भविष्य की खेती का साक्षी बनेगा। यहां किसानों की आजीविका में सुधार के लिए विश्वव्यापी नेटवर्क स्थापित किए जा रहे हैं।

- किसानों व कृषि शोधकर्ताओं को मिलेगा बेहतर मंच :

बायर साउथ एशिया के प्रेसिडेंट साइमन वीबुश ने कहा कि फॉरवर्ड फार्म में किसानों व कृषि शोधकर्ताओं को बेहतर मंच मिलेगा। यह फार्म देश के करीब 15 करोड़ छोटी जोत वाले किसानों की जरूरत को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। इसमें विशेषरूप से धान की पर्यावरण के अनुकूल खेती को ध्यान में रखा गया है। बायर में सस्टेनेबिलिटी एवं स्ट्रेटजिक एंगेजमेंट्स प्रमुख नताशा सैंटॉस ने कहा किसानों के लिए बेहतर मूल्य सृजित करना हमारे प्रयासों के केंद्र में रहता है। वैश्विक स्तर पर खाद्य सुरक्षा के मामले में भारत एक महत्वपूर्ण देश है। हमारा उद्देश्य कृषि की उत्पादकता और उसकी पर्यावरण अनुकूलता को बेहतर करना और सभी के लिए खाद्य सुरक्षा को बढ़ावा देना है।

- जलवायु संकट कम करना हमारा उद्देश्य है :

मालू नाखरेनर ने कहा कि बेहतर उत्पादन के साथ-साथ ही जलवायु परिवर्तन के संकट को कम करना, जैव विविधता को संरक्षित एवं रीस्टोर करना, जल संरक्षण करना और उपज बढ़ाना भी हमारा उद्देश्य है। साथ में किसानों का आर्थिक एवं सामाजिक कल्याण सुनिश्चित करना है। भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा धान उत्पादक है। जलवायु परिवर्तन के कारण धान के उत्पादन पर प्रभाव पड़ा है। हम मिट्टी की सेहत में सुधार, पानी का कम प्रयोग और जलवायु परिवर्तन के अनुसार अनुकूलता जैसे पहलुओं का ख्याल रखते हैं। बायर किसानों को एक विशेष फसल व्यवस्था प्रदान करती है। जिसमें सर्वश्रेष्ठ बीज, फसल सुरक्षा, डिजिटल टूल्स व एग्रोनॉमिक सॉल्यूशंस प्रदान किए जाते हैं। बायर फॉरवर्ड फार्म प्रगतिशील किसान वेद प्रकाश सैनी के तरूण एग्रीकल्चर फार्म में खोला गया है।

- पर्यावरण को रीस्टोर और बेहतर करेंगे :

बायर साउथ एशिया के प्रेसिडेंट साइमन वीबुश ने कहा बायर में हम एक ऐसी रिजनरेटिव फार्मिंग के भविष्य की कल्पना करते हैं, जो पर्यावरण को रीस्टोर करे और उसे बेहतर बनाए। इसमें किसानों के लिए विशेष रूप से तैयार किए गए समाधान, आधुनिक उपकरण एवं प्रक्रियाओं, सक्रिय प्रबंधन के उपाय होंगे। फसलों की गुणवत्ता व पैदावार में सुधार करना हमारा महत्वपूर्ण उद्देश्य है। हम किसानों को पर्यावरण के अनुकूल प्रक्रियाएं अपनाने की दिशा में सशक्त बनाने के लिए समर्पित हैं।